अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) **प्राकृत भाषा में यह अक्षर नहीं होता है -**

(क) अ (ख) ई

(ग) ष (घ) उ ( )

(b) **'य' होने पर अनुस्वार (.) का उच्चारण होगा -**

(क) न् (ख) ङ्

(ग) ञ् (घ) ण् ( )

(c) **जैन धर्म है -**

(क) व्यक्तिपूजक (ख) गुणपूजक

(ग) धर्मपूजक (घ) पदार्थपूजक ( )

(d) **अनुकूल वस्तु को पाकर प्रसन्न होना, कहलाता है -**

(क) ममत्त्व (ख) राग

(ग) आसक्ति (घ) द्वेष ( )

(e) **वर्तमान में कितने विहरमान महाविदेह क्षेत्र में विचरण करते हैं -**

(क) 12 (ख) 20

(ग) 24 (घ) 10 ( )

(f) **सातवाँ बोल है -**

(क) प्राण दस (ख) उपयोग बारह

(ग) शरीर पांच (घ) काय छह ( )

(g) **चक्षुरिन्द्रिय के पांच विषयों के विकार होते हैं -**

(क) 12 (ख) 96

(ग) 60 (घ) 48 ( )

(h) **साहरण की रात्रि में महारानी त्रिशला ने कितने शुभ स्वप्न देखें -**

(क) 12 (ख) 14

(ग) 24 (घ) 10 ( )

(i) **महावीर-स्तुति के रचयिता हैं -**

(क) श्री दर्शनमुनिजी (ख) श्री अशोकमुनिजी

(ग) श्री ज्ञानमुनिजी (घ) श्री विजयमुनिजी ( )

(j) **21वें तीर्थंकर हैं -**

(क) श्री मल्लिनाथजी (ख) श्री नमिनाथजी

(ग) श्री वासुपूज्यजी (घ) श्री अरिष्टनेमीजी ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) राग-द्वेष में समान रहना ही सामायिक है। ( )

(b) अशुद्ध उच्चारण करने पर दर्शन का अतिचार (दोष) लगता है। ( )

(c) शब्द के अन्त में (.) अनुस्वार आवे तो उसका उच्चारण 'म्' होता है। ( )

(d) शब्द के बीच में आधा अक्षर आवे तो पहले वाले अक्षर पर जोर देकर बोला जाता है। ( )

(e) सामायिक का विमासन दोष काया से सम्बन्धित है। ( )

(f) प्रमादी साधु गुणस्थान पाँचवाँ गुणस्थान है। ( )

(g) सातवें बोल में शरीर के पाँच भेद बताये गये हैं। ( )

(h) प्रभु महावीर प्रारम्भ से ही अन्तर्मुखी वृत्ति वाले थे। ( )

(i) आयरियाणं पद पहला है, अरि आरति दूर भगाता है। ( )

(j) 'मन की एकाग्रता' अभिगम का एक भेद है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मैं जिन का उपासक हूँ। .....

(b) उपकारी होने से सर्वप्रथम मुझे नमस्कार किया जाता है। .....

(c) मैं दुर्गति में गिरते हुये प्राणियों को धारण करता हूँ। .....

(d) मेरा दूसरा नाम चतुर्विंशतिस्तव भी है। .....

(e) सामायिक ग्रहण करते समय मेरा कायोत्सर्ग करते हैं। .....

(f) पच्चीस बोल में मेरे आठ भेद बताए गये हैं। .....

(g) मेरे 3 विषय एवं 12 विकार हैं। .....

(h) मेरी प्रार्थना करने से पंच परमेष्ठी को नमस्कार होता है। .....

(i) मैं दसवाँ तीर्थंकर हूँ। .....

(j) मेरी आदतों के कारण मनुष्य का पतन होता है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	अविराहिओ	-	जिअभयाणं	.....
(b)	किलामिया	-	अबहुमान दोष	.....
(c)	आर्त्तध्यान	-	उपयोग	.....
(d)	दीवोत्ताणं	-	उड्डुएणं	.....
(e)	संशय दोष	-	कर्म	.....
(f)	श्वासोच्छ्वास बलप्राण	-	इरियावहियं सुत्तं	.....
(g)	अचक्षुदर्शन	-	240 विकार	.....
(h)	अन्तराय	-	महावीर स्तुति	.....
(i)	पांच इन्द्रिय	-	आयुष्य बल	.....
(j)	हो लाख बार	-	रौद्रध्यान	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- **12x2 = (24)**

(a) **जैन साधु किस जाति के होते हैं ?**

.....

.....

(b) **अणगार धर्म क्या है ?**

.....

.....

(c) **वचन के कोई चार दोषों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(d) **दूसरे नमोत्थुणं में 'ठाणं संपत्ताणं' के स्थान पर क्या बोला जाता है ?**

.....

.....

(e) **काउस्सग्ग के पाठ में बोले जाने वाले चार ध्यानों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(f) **स्पर्शनेन्द्रिय के आठ विषयों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(g) **वचन के चार योगों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **भगवान महावीर का अन्तिम चातुर्मास कहाँ हुआ ?**

.....

.....

(i) **उत्तरासंग-धारण का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(j) **मानव-जीवन का भयंकर कोढ़ किसे कहते हैं और क्यों ?**

.....

.....

(k) **विनय के कोई दो लाभों का उल्लेख कीजिये।**

.....

.....

(l) **7,13,18,23 वें तीर्थकर के नाम लिखिए।**

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में लिखिए :- **12x3=(36)**

(a) **हम अरिहंत को आराध्य देव क्यों मानते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(b) **जैन साधुओं के महाव्रतों का क्रम से उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **श्रद्धा एवं पालन करने की अपेक्षा से जैन कितने प्रकार के होते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(d) **सामायिक पारने की विधि के पाठों को क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **7वें से 12वें गुणस्थानों के नाम क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **पर्याप्ति के छह भेदों को क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **प्रभु महावीर के अभिग्रह का काल एवं भाव की अपेक्षा से उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **भगवान महावीर की जीवनी से प्राप्त होने वाली कोई तीन शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **चंदेसु .....मम दिसंतु। रिक्त स्थान को पूर्ण करके लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **श्रीपाल .....मंगलकारी है। प्रार्थना के चरण को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **जिस जगती .....प्राणी की। प्रार्थना के चरण को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **विनय के भेदों का उल्लेख किस सूत्र में किया गया है?प्रथम पाँच भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....